युवा वैज्ञानिक

फ्लोबॉट 2.0

जल प्रदूषण से निपटने और झीलों की सफाई के लिए दसवीं कक्षा के छात्र प्रणव शिकारपुर और 'सिद्धार्थ विश्वनाथ ने फ्लोबॉट 2.0 नाम की प्रणाली विकसित की है यह प्रणाली झीलों के तत्वों का आसानी से विश्लेषण करेगी। यह घटक पहले बने हुए 'फ्लोबॉट 1.0' का नया रूप है। फ्लोबॉट 2.0 काफी हल्का है और उपभोक्ता के अनुकूल बनाया हुआ घटक है जो दिखने में भी सुन्दर है। इसका वजन 6 किग्रा. है। पहला बना हुआ 12 किग्रा. वजनी 'फ्लोबॉट 1.0' लगभग छः झीलों का परीक्षण करता था जबकि फ्लोबॉट 2.0 आठ झीलों का परीक्षण करने में समर्थ है। प्रणव और सिद्धार्थ हीट मैपिंग नाम की एक विशेष प्रकार की फीचर जोड़ी है जो ग्राफिकल वर्णन द्वारा विघटित ऑक्सीजन और झीलों का खारापन दर्शायेगी। प्रणव और सिद्धार्थ फ्लोबॉट 2.0 को आर्थिक रूप से सहज बनाने तथा इसे अपग्रेड करने की प्रक्रिया में हैं।

शुद्धम
कम लागत वाला प्यूरीफायर

पानी निस्संदेह सभी के लिए एक आवश्यकता है, भारत के कई गाँव, पानी की कमी से गुजर रहे हैं। इसी कमी को पूरा करने के लिए रतलाम, मध्यप्रदेश के रहने वाले जितेन्द्र चौधरी ने 'शुद्धम' नाम का फिल्टर बनाया है। यह कम लागत वाला फिल्टर छः महीने में 90,000 लीटर पानी फिल्टर कर सकता है। बिजली का उपयोग न करके 'शुद्धम' गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत पर काम करता है। इस उपकरण में बाथरूम में उपयोग किए जाने वाले पानी को फिल्ट्रेशन प्रक्रिया द्वारा दोहराया जाता है और मशीन के निचले हिस्से से रिसाइकल पानी को जारी किया जाता है। मशीन में एंटी चोक सिस्टम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि पानी के प्रवाह में कोई अवरोध न हो और गंदे कण शुद्ध पानी के साथ न मिले। इस उपलब्धि के लिए जितेन्द्र चौधरी को मध्य प्रदेश परिषद् विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया गया है।

सुश्री मानसी उपाध्याय
ए-69, हरी विहार, द्वारका, नई दिल्ली
[ई-मेलः mansee13upadhayay@gmail.com]